***Date*:** 08-12-20
***Publication*:** Hari Bhoomi
***Edition*:** Bilaspur

कोल इंडिया चेयरमैन अग्रवाल ने किया दौरा

बिलासपुर। कोल इंडिया चेयरमैन प्रमोद अग्रवाल ने 7 दिसम्बर को एसईसीएल का दौरा किया। इस एक दिवसीय दौरे में सर्वप्रथम उन्होंने एसईसीएल प्रबंधन से मुलाकात की तथा वर्तमान को य ला उत्पादन एवं उ स से सं बं धि त विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। इसके बाद उन्होंने एसईसीएल के सभी क्षेत्रीय महाप्रबंधकों से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से खदानों में चल रहे खनन कार्य की समीक्षा की। इस बैठक के दौरान कोल इंडिया चेयरमैन ने कहा कि एसईसीएल में अपार संभावभानाएं हैं। एसईसीएल प्रारंभ से ही कोल इंडिया की सर्वाधिक कोयला उत्पादक कंपनी रही है तथा इस अंतराल में एसईसीएल में एक उत्कृष्ट कार्यप्रणाली विकसित हुई है। उन्होनें सभी को दृढ संकल्पित होकर पूरी लगन के साथ इस वर्ष के कोयला उत्पादन लक्ष्य को हासिल करने का आहवान किया । कार्य में तेजी एवं दक्षता लाने का सुझाव दिया तथा उत्पादन-उत्पादकता को बढ़ाने संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। द्वितीय सत्र में श्री अग्रवाल ने एसईसीएल मुख्यालय के सभी विभागाध्यक्षों के साथ भेट की एवं कंपनी स्तर पर चल रहे कार्यों की समीक्षा की । उन्होनें कार्यप्रणाली को बैहतर करने एवं कोयला उत्पादन बढाने के लिए समुचित दिशानिर्देश दिए।

- उत्पादन/ उत्पादकता के साथ कोयले की गुणवत्ता एवं सुरक्षित खनन पर दिया जोर

***Date*:** 08-12-20
***Publication*:** Free Press Journal
***Edition*:** Mumbai

JP Morgan upbeat on Coal India's stable receivables, production growth

NEW DELHI: While the liquidity of power distribution companies has not improved materially, receivables of Coal India Ltd have remained largely stable, which is a positive, brokerage firm J.P Morgan said in a report post an interaction with the company's chairman Pramod Agarwal. The brokerage house sees the dues falling in the coming months. As on Sep 30, the dues stood at 210 bln rupees. On the production front, it believes Coal India can easily deliver 5-6% annual production growth over the next few years and drive earnings higher. Coal India has set a target of 1 bln tn production capacity by 2023-24 (Apr-Mar).

***Date*:** 09-12-20
***Publication*:** The Hindu Business Line
***Edition*:** Kolkata

CIL's coal allocation to power sector under e-auction registers 28% rise in Apr-Oct

PRESS TRUST OF INDIA

New Delhi, December 8

State-owned CIL's coal allocation to the power sector under special e-auction registered a 27.7 per cent rise to 16.48 million tonnes (mt) in the April-October period.

Coal India Ltd (CIL) had allocated 12.90 mt of coal to the sector in the year-ago period, according to government data.

The coal allocation by CIL in October also increased to 6.51 mt, over 1.97 mt in the corresponding month of the previous fiscal, the data said.

Coal distribution through forward e-auction is aimed at providing access to coal for such consumers who wish to have an assured supply over a long period, say one year, through e-auction mode so as to plan their operation, it added. The purpose of the scheme is to provide equal opportunities to all intending coal consumers.

***Date*:** 10-12-20
***Publication*:** Nai Duniya
***Edition*:** Bilaspur

कोल इंडिया ग्रीन एनर्जी योजना में निवेश करेगी 5650 करोड़

नए साल में विश्रामपुर व भटगांव में लगेगा सौ मेगावाट का सोलर प्लांट

प्रदीप बरमैया ● कोरबा (नईदुनिया)

कोल इंडिया लिमिटेड ने ग्रीन एनर्जी योजना के तहत सोलर प्लांट स्थापित करने वर्ष 2024 तक 5650 करोड़ रुपये खर्च करेगी। साउथ ईस्टर्न कोलफील्डस लिमिटेड (एसईसीएल) समेत अन्य आनुषांगिक कंपनियों के क्षेत्र में सोलर प्लांट लगाए जाएंगे। इससे उत्पादित बिजली पावर ग्रिड को देने के लिए कुछ कंपनियों से समझौता किया जा रहा है। एनटीपीसी के साथ मिलकर इलेक्ट्रिसिटी जनरेटर विकसित करने की भी योजना है।

कोल इंडिया की आठ आनुषांगिक कंपनियां हैं। इसमें सिर्फ एसईसीएल की कोयला खदानों व कालोनियों में हर साल 9,970 लाख यूनिट बिजली की खपत होती है। कार्पोरेट दर 10 रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से प्रबंधन 997 करोड़ रुपये के बिजली बिल का भुगतान कर रहा है। अब कोयला आधारित बिजली का उपयोग कम करने के लिए कोल इंडिया ने ग्रीन एनर्जी योजना पर काम शुरू किया है। एसईसीएल के विद्युत एवं यांत्रिकी विभाग के योजना-परियोजना महाप्रबंधक केके गुप्ता ने बताया कि भटगांव व विश्रामपुर में सोलर प्लांट के लिए पर्याप्त जमीन है। दोनों क्षेत्र में 50-50 मेगावाट की दो यूनिटें वर्ष 2021 में स्थापित करने का प्रस्ताव है। सोलर बिजली का सीधे उपयोग किए जाने की जगह पावर ग्रिड को दिया जाएगा। कोशिश यह रहेगी कि एसईसीएल में जितनी बिजली की खपत हो रही है, उतनी सोलर बिजली लौटा दें। सोलर कार्पोरेशन आफ इंडिया से समझौते के तहत एक हजार मेगावाट का सोलर प्रोजेक्ट स्थापित करने का भी प्रस्ताव है। गेवरा में भी 40 मेगावाट का सोलर प्लांट लगाया जाएगा। इसमें लगभग 120 करोड़ रुपये खर्च आएगा।

प्रदूषण रहित सोलर प्लांट पर खर्च आधा

कोल इंडिया के पास पर्याप्त कोयला होने के बाद भी ताप विद्युत गृह के स्थान पर सोलर प्लांट लगाने की योजना तैयार बनाई गई है। इसकी मुख्य वजह प्रदूषण और खर्च, दोनों है। कोयला आधारित विद्युत प्लांट का राख वायुओं से प्रदूषण फैलता है तथा इसे स्थापित करने में प्रति मेगावाट छह करोड़ रुपये का खर्च आता है। दूसरी तरफ प्रदूषण रहित सोलर प्लांट की स्थापना में प्रति मेगावाट तीन करोड़ रुपये ही खर्च होंगे।

कोरबा। सोलर प्लंट (फाइल फोटो)

***Date*:** 10-12-20
***Publication*:** The Telegraph
***Edition*:** Kolkata

One coal auction for all grades

A STAFF REPORTER

Calcutta: The coal ministry is considering the consolidation of all types of electronic auctions done by Coal India to enable a better discovery of prices.

Speaking at a session organised by the Bengal Chamber of Commerce and Industry on Wednesday, Union coal secretary Anil Kumar Jain said the reforms were not yet over. "The grant of mining leases is one reform that has already happened. The next reform that we need to do is in marketing of Coal India's production," said Jain.

At present, Coal India has four windows for e-auction — spot auction, special spot auction, exclusive non-power sector auction and special forward auction for the power sector. In addition, a fifth window was provided in October to importers.

"We want to bring it all into one bucket. Let there be a market discovery of prices. These little buckets are no longer serving the purpose. They are in fact enhancing the price to some sectors," Jain said adding that the move to put all of them together could bring some sense of "balance and satisfaction" in the market.

But industry sources point out that different consumers may have different preferences for coal grades and mines and those necessities have to be taken into consideration while consolidating the auction windows.

***Date*:** 10-12-20
***Publication*:** The Political and Business Daily
***Edition*:** Odisha

Coal India likely to see reforms in marketing, sales in 2021

KOLKATA: MINING major Coal India Ltd will likely undergo a reform in marketing and sales next year, a top government official said on Wednesday. The exercise, among other improvements, will aim at doing away with multiple types of auctions of the dry fuel. "I will not say coal reforms are over. Coal mining reforms have happened and the next reform is in the marketing of Coal India's production," Union Coal and Mining Secretary Anil Kumar Jain said. He was speaking at the Bengal Chamber of Commerce-organised virtual mining conclave. "Coal India produces 80 per cent of coal and still (there exists) all kinds of auction, like spot, exclusive, forward.... We will bring them under one bucket and let there be discovery of prices," he said. Jain said smaller such buckets are not serving the purpose, and only enhancing the prices of raw materials for some sectors. He, however, did not talk about fuel supply agreements as part of the proposed reforms. PTI

***Date*:**10-12-20
***Publication*:** The Pioneer
***Edition*:** Bhopal

COAL INDIA LIKELY TO SEE REFORMS IN MARKETING, SALES IN 2021

Kolkata: Mining major Coal India Ltd will Likely undergo a reform in marketing and sales next year, a top government official said on Wednesday.The exercise, among other improvements, will aim at doing away with multiple types of auctions of the dry fuel."I will not say coal reforms are over. Coal mining reforms have happened and the next reform is in the marketing of Coal India's production," Union Coal and Mining Secretary Anil Kumar Jain said.He was speaking at the Bengal Chamber of Commerce- organised virtual mining conclave."Coal India produces 80 per cent of coal and still (there exists) all kinds of auction, like spot, exclusive, forward.... We will bring them under one bucket and let there be discovery of prices," he said.

***Date*:** 11-12-20
***Publication*:** Nava Bharat
***Edition*:** Odisha

कोल इंडिया की विपणन, बिक्री में होगा 'सुधार' : सचिव

■ एजेंसी | कोलकाता.
www.navabharat.news

देश की खनन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी कोल इंडिया लि. (सीआईएल) अगले साल अपनी विपणन और बिक्री में सुधार करने जा रही है. एक शीर्ष सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी. केंद्रीय कोयला एवं खनन सचिव अनिल कुमार जैन ने कहा कि अन्य सुधारों के साथ कई तरीके से होने वाली कोयले की नीलामी को बंद किया जाएगा.

खनन क्षेत्र में हो चुका सुधार

जैन ने बताया कि मैं यह नहीं कहूंगा कि कोयला सुधार पूरे हो गए हैं. कोयला खनन क्षेत्र में सुधार हो चुके हैं, अब अगला सुधार कोल इंडिया के उत्पादन के विपणन में होगा. बंगाल चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित वर्चुअल खनन सम्मेलन को संबोधित करते हुए जैन ने कहा कि कोल इंडिया 80 प्रतिशत कोयले का उत्पादन करती है. इसके बावजूद कई प्रकार की नीलामी होती है. हम उसे एक ही 'दायरे' में लाएंगे और मूल्य की खोज करेंगे. उन्होंने कहा कि छोटी मात्रा में नीलामी से कोई उद्देश्य हल नहीं होता. इससे कुछ क्षेत्रों के लिए कच्चे माल के दाम बढ़ जाते हैं.

***Date*:** 11-12-20
***Publication*:** The Times of India
***Edition*:** Ahmedabad

Coal India e-auction sales increase 77%

Kolkata: Coal India (CIL) has logged a strong 77% growth in e-auction sales under five windows, booking 68.3 million tonne (MT) of coal in April-November this fiscal. The upsurge in the booked quantity of coal was close to 30 MT in absolute terms. TNN

***Date*:** 11-12-20
***Publication*:** The Statesman
***Edition*:** New Delhi

Coal India's e-auction sales rise 77% to 68 MT in Apr-Nov

PRESS TRUST OF INDIA
NEW DELHI, 10 DECEMBER

State-owned Coal India Ltd (CIL) today said it has registered a 77 per cent growth in e-auction sales, under five windows, at 68.3 million tons (MT) during the April-November period of the ongoing fiscal.

The upsurge in the booked or allocated quantity of coal was close to 30 MT, in absolute terms, compared to 38.6 MT booked during the same period a year ago, CIL said in a statement.

Indicating increased appetite from non-power consumers, exclusive auction for this sector booked 17.4 MT, which is 25.5 per cent of the total allocated quantity during the referred period.

Compared to 4.8 MT booked by non-power consumers during April-November last fiscal, the growth is more than a three-and-a-half folds or 262 per cent.

E-auction sales for November not only witnessed improved volume bookings at 9.4 MT, clocking 23.7 per cent growth compared to last November, but CIL could also net 30 per cent premium over the notified prices.

This is a big leap from 13 per cent premium the auctions fetched in October when CIL for the first time in the present fiscal introduced add on over the notified price, after a six month hiatus, to gauge the market response.

Considering the market response to e-auctions, there is a strong possibility that the bookings could go over 100 MT in the current fiscal.

"Special spot auction for coal importers" also gained positive response with 3.3 MT booked in November with a premium of 21 per cent.

The quantity is twice that of 1.6 MT booked in October, the first occasion CIL introduced this window, when the premium fetched over notified price was 14 per cent.

"For now the focus remains on volume expansion in e-auction sales rather than add-ons over the reserve price. Going forward add-ons will be pliable based on subsidiary wise and grade wise demand," a senior executive of the company said.

Given the power sector's 80 per cent share in CIL's total off-take programme, it will not be feasible for non-power sector to offset demand shortfall from the power sector fully.

Date**:** 11-12-20
Publication**:** The Financial Express
Edition**:** Chennai